

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

जावेद हबीब पर 5 मुकदमे दर्ज, पत्नी और बेटे भी फंसे संगठित अपराध के मामले में

Publisher

Published on 08 Oct 2025



उत्तर प्रदेश के **संभल जिले** में देश के मशहूर हेयर स्टाइलिस्ट **जावेद हबीब** और उनके परिवार के लिए मुश्किलें बढ़ गई हैं। सोमवार को संभल के **थाना रायसत्ती** में उनके खिलाफ **एक ही दिन में पांच मुकदमे दर्ज** किए गए। इन मुकदमों में उनके बेटे **अनोस हबीब** और एक अन्य व्यक्ति **सैफुल** भी आरोपी हैं। पुलिस ने सभी आरोपी व्यक्तियों को नोटिस जारी किया है और अपने पक्ष में तथ्यों को पेश करने के लिए कहा है।

जावेद हबीब के खिलाफ दर्ज ये मुकदमे **धोखाधड़ी और संगठित अपराध** से जुड़े हुए हैं। पुलिस ने बताया कि सभी मामलों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की **धारा 107** के तहत दर्ज किया गया है। यह धारा संगठित अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी को नियंत्रित करने के प्रावधानों के तहत आती है। इससे स्पष्ट होता है कि मामले में गंभीर कानूनी कार्रवाई की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, ये मुकदमे जावेद हबीब के व्यवसायिक लेनदेन और वित्तीय गतिविधियों से जुड़े हैं। पुलिस ने यह भी कहा कि सभी आरोपी व्यक्तियों को नोटिस जारी कर मामले में अपने पक्ष को स्पष्ट करने का अवसर दिया गया है। इस प्रक्रिया के दौरान पुलिस तथ्यात्मक जांच करेगी और मामले के हर पहलू को समझने की कोशिश करेगी।

जावेद हबीब, जो देश के जाने-माने हेयर एक्सपर्ट और सलून व्यवसायी हैं, अपने पेशे में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। उनके सलून और प्रशिक्षण संस्थान पूरे भारत में लोकप्रिय हैं। हालांकि, इस मुकदमे ने उनके करियर और सार्वजनिक छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुकदमे के दर्ज होने के बाद संभल जिले में मीडिया और सोशल मीडिया पर मामले की चर्चा तेज हो गई है। लोगों ने इस पर विभिन्न प्रतिक्रियाएं दी हैं। कुछ लोग जावेद हबीब के समर्थक हैं और उनका कहना है कि मामला व्यावसायिक विवाद से जुड़ा हो सकता है, जबकि कुछ ने इसे गंभीर वित्तीय और संगठित अपराध का संकेत बताया है।

पुलिस ने कहा कि मामले की जांच के दौरान सभी कानूनी प्रावधानों का पालन किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि

नोटिस प्राप्त होने के बाद आरोपी व्यक्तियों को अपनी सफाई पेश करने का मौका मिलेगा। इसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई तय करेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि जावेद हबीब और उनके परिवार के खिलाफ एक ही दिन में पांच मुकदमे दर्ज होना दर्शाता है कि मामले की गंभीरता बढ़ रही है। यह केवल एक व्यक्तिगत विवाद नहीं बल्कि **व्यापारिक और वित्तीय अनुशासन** से जुड़े गंभीर आरोप हो सकते हैं।

जावेद हबीब के बेटे **अनोस हबीब** और अन्य आरोपी **सैफुल** के शामिल होने से मामला और पेचीदा बन गया है। इससे स्पष्ट होता है कि आरोप केवल व्यक्तिगत स्तर पर नहीं हैं, बल्कि यह परिवार और संगठन स्तर पर जुड़े हुए हैं।

मामले की कानूनी प्रक्रिया में भारतीय न्याय संहिता के संगठित अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के प्रावधानों का पालन किया जाएगा। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के मामले में आरोपियों को नोटिस जारी करना और उन्हें अपना पक्ष रखने का अवसर देना न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

संभल पुलिस का कहना है कि जांच पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ होगी। उन्होंने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सभी पहलुओं की गहन जांच की जाएगी। इसके साथ ही सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा किया जाएगा ताकि न्याय प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके।

जावेद हबीब का यह मामला पूरे भारत में चर्चा का विषय बन गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और स्थानीय मीडिया ने इसे व्यापक रूप से कवर किया है। लोग इसके संभावित परिणाम और कानूनी जटिलताओं पर विचार कर रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस मामले का प्रभाव केवल जावेद हबीब के करियर तक सीमित नहीं रहेगा। इससे उनके व्यापारिक प्रतिष्ठान और सलून नेटवर्क पर भी असर पड़ सकता है। साथ ही, परिवार के सदस्य और अन्य सहयोगी भी कानूनी और सामाजिक दृष्टि से प्रभावित हो सकते हैं।

कुल मिलाकर, **जावेद हबीब और उनके परिवार के खिलाफ दर्ज पांच मुकदमे** यह संकेत देते हैं कि पुलिस और प्रशासन इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं। आगामी हफ्तों में मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई के परिणाम जावेद हबीब और उनके परिवार के भविष्य पर निर्णायक प्रभाव डाल सकते हैं।

मामले की जांच पूरी होने तक पुलिस ने सभी पक्षों को संयम और कानूनी प्रक्रिया का पालन करने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रकार के संगठित अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में न्यायिक प्रक्रिया लंबी हो सकती है, लेकिन पारदर्शिता और निष्पक्षता बनी रहेगी।